2 रजत की सूझ-बूझ

• कहानी •

वार्षिक	समाप्त	छुट्टियाँ	मंजिल	नींद	हंगामा
कंपाउंड	शॉट-सर्किट	घबराहट	गुब्बारा	तुरंत	स्कैच
संदेश	फायर	ब्रिगेड	शाबाशी	शशिलोक	गर्व

बच्चों की वार्षिक परीक्षाएँ समाप्त हो गई थीं। गरमियों की छुट्टियाँ पड़ गई थीं। रजत जिस इमारत में रहता था, उसका नाम 'शशिलोक' था। यह चार मंजिला इमारत थी। इसकी तीसरी मंजिल पर रजत का घर था। इस इमारत में रहने वाले सब बच्चे दिन भर के खेल-कूद और भाग-दौड़ से थक-हारकर रात में गहरी नींद में सो जाते थे।

एक दिन रजत की नींद सुबह पाँच बजे ही खुल गई। सारी इमारत में हंगामा मचा हुआ था। "आग... आग... भागो... भागो..., इमारत में आग लग गई है। सब लोग तुरंत बाहर निकल जाएँ," इस तरह की आवाज़ें आ रही थीं।

रजत जल्दी से उठकर बाहर की ओर भागा। कंपाउंड में सभी लोग इकट्ठा हो रहे थे। "शायद कहीं शॉर्ट-सर्किट हो गया है।" कोई कह रहा था।

"साक्षी दिखाई नहीं दे रही!" तभी साक्षी की मम्मी की घबराहट भरी आवाज़ सुनाई दी। साक्षी का घर दूसरी मंजिल पर था। रजत ने ऊपर की ओर देखा तो बालकनी में साक्षी खड़ी थी। वह ज़ोर-ज़ोर से रो रही थी। आग बुरी तरह फैल चुकी थी। कोई अंदर नहीं जा सकता था। किसी की समझ में नहीं आ रहा था कि साक्षी को कैसे बचाया जाए?

तभी एक गुब्बारेवाला गैस से भरे गुब्बारे बेचता हुआ वहाँ आया। गैस से भरे गुब्बारे देखकर अचानक रजत को कुछ सूझा। उसने तुरंत गुब्बारेवाले से एक बड़ा-सा गुब्बारा खरीद लिया।

"भैया, धागे का एक रोल भी देना, प्लीज!" रजत बोला। उसने झट से स्कैच पैन से गुब्बारे पर कुछ लिखना शुरू किया। फिर धागे का पूरा रोल गुब्बारे के साथ बाँध दिया और धीरे-धीरे गुब्बारे को ऊपर की ओर छोड़ने लगा। साक्षी की नज़र गुब्बारे पर गई और वह उस पर लिखा संदेश पढ़ने लगी। गुब्बारे पर लिखा था—"इमारत के पीछे रेत का ढेर पड़ा है। पीछे की बालकनी से नीचे पड़े रेत के ढेर पर कूद जाओ।"

यह पढ़ते ही साक्षी अंदर की ओर भागी और झट से रेत के ढेर पर कूद गई। रजत, साक्षी की मम्मी व अन्य लोग दौड़कर इमारत के पीछे पहुँचे और रेत पर पड़ी साक्षी को उठाकर गले से लगा लिया।

"रजत बेटा, आज तुम्हारे कारण ही साक्षी की जान बची है!" साक्षी की मम्मी ने भरे गले से कहा।

तभी फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी आ गई। जल्दी ही उन्होंने आग पर काबू पा लिया।

रजत की सूझ-बूझ से साक्षी की जान बच गई। 'शशिलोक' इमारत में रहने वाले सभी लोगों ने रजत को शाबाशी दी। रजत के माता-पिता का सिर गर्व से ऊँचा हो गया।

शिक्षण संकेत

- बच्चों को इस प्रकार की कुछ अन्य साहसिक एवं सूझ-बूझ भरी कहानियाँ सुनाएँ।
- इस कहानी में कुछ अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग हुआ है, बच्चों को उनका अर्थ समझाएँ।
- पाठ में आए कठिन शब्दों का बार-बार अनुसरण वाचन के माध्यम से उच्चारण कराएँ।

शब्दकोश

वार्षिक – सालाना। **इमारत** – बहुमंजिला मकान। **हंगामा** – शोर। **प्लीज** – कृपया। **रोल** – गोला। **फायर ब्रिगेड** – आग बुझाने वाला दल।

विशेष : मानक वर्तनी के प्राचीन एवं नवीन रूप

समाप्त – समाप्त	गर्मी – गरमी	छुट्टियाँ – छुट्टियाँ	तुरन्त – तुरंत
कम्पाउण्ड – कंपाउंड	इकट्ठा – इकट्ठा	अन्दर – अंदर	सन्देश – संदेश

पाठ बोध

1. उत्तर लिखिए: समेटिव असेसमेंट

क. रजत का घर कौन-सी मंजिल पर था? _____

_____

ख. साक्षी कहाँ खड़ी रो रही थी? _____

_____

ग. रजत ने गुब्बारे पर क्या लिखा? _____

_____

घ. साक्षी की जान किसकी सूझ-बूझ से बची? _____

_____

2. खाली स्थान में उचित शब्द भरिए:

क. _____ की छुट्टियाँ पड़ गई थीं। (गरमियों/सरदियों)

ख. रजत की नींद _____ बजे खुल गई। (सुबह पाँच/शाम पाँच)

ग. साक्षी का घर _____ मंजिल पर था। (तीसरी/दूसरी)

घ. रजत ने _____ पर संदेश लिखा। (कागज़/गुब्बारे)

M C Qs

3. सही वाक्य के आगे ✓ और गलत के आगे ✗ लगाइए:

क. इमारत में आग शॉर्ट-सर्किट से लगी थी। ☐

ख. गुब्बारेवाले ने आग में फँसी साक्षी को बचाया। ☐

ग. साक्षी इमारत के पीछे पड़े रेत के ढेर पर कूद गई। ☐

घ. 'शशिलोक' में रहने वालों ने साक्षी को शाबाशी दी। ☐

ङ. रजत की सूझ-बूझ से साक्षी की जान बची थी। ☐

4. ऐसा किसने, किससे कहा?

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा
क. "साक्षी दिखाई नहीं दे रही!"	_____	_____

ख. "भैया, धागे का एक रोल भी देना, प्लीज!"	_____ _____
ग. "आज तुम्हारे कारण ही साक्षी की जान बची है।"	_____ _____

भाषा एवं व्याकरण

1. सही विलोम शब्द के सामने ✓ लगाइए:

गरमी – बरसात	☐	सरदी	☐	शीत	☐	M
सुबह – शाम	☐	रात	☐	दोपहर	☐	C
बाहर – नीचे	☐	ऊपर	☐	भीतर	☐	Qs

2. समझिए और कीजिए:

मम्मी – पापा बेटी – _____ माता – _____

याद रखिए : पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द **पुल्लिंग** और स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द **स्त्रीलिंग** कहलाते हैं।

मौखिक अभिव्यक्ति

1. सोचकर लिखिए:

फॉरमेटिव असेसमेंट

क. आग बुझाने का काम कौन करता है? _____

ख. चोर को पकड़ने का काम किसका है? _____

ग. रोगी को अस्पताल ले जाने वाले वाहन को क्या कहते हैं? _____

2. शुद्ध उच्चारण कीजिए:

वार्षिक	समाप्त	छुट्टियाँ	मंजिल	हंगामा	कंपाउंड	शॉट-सर्किट
गुब्बारा	प्लीज	स्कैच	संदेश	बालकनी	फायर ब्रिगेड	घबराहट

रचनात्मक अभ्यास

D फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, पुलिस जीप के चित्र एकत्र कर अपनी स्क्रैप बुक में चिपकाएँ।